सोशल मीडिया व साइबर अपराध के प्रति रहें सचेत : एसपी

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रावस्ती। वर्तमान में अपराध का स्वरूप बदला है। चोरी व डकैती की घटनाओं में कमी के साथ ही साइबर अपराध बढ़े हैं। थोड़ी सी सतर्कता बरत कर हम साइबर अपराधों से बच सकते हैं।

पुलिस की पाठशाला

साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसने से बचने के लिए हमें सोशल मीडिया का सावधानी से प्रयोग करना चाहिए। निजी जानकारी किसी से साझा न करें और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अनजान लोगों के साथ दोस्ती न करें। सोशल मीडिया व मोबाइल पर आने वाली अनजान लिंक पर क्लिक न करें।

ये बातें पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भिनगा में बुधवार को आयोजित पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम में एसपी राहुल भाटी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वर्तमान समय मित्र पुलिस का समय है, 1990 व मूवी में दिखाई जाने वाली पुलिस संबंधी धारणा को आप सभी अपने मन से निकाल दें।

उन्होंने आगे कहा कि किसी भी मदद के लिए तत्काल पुलिस के हेल्पलाइन नंबर पर फोन करें। जिले के सभी थानों में महिलाओं व छात्राओं की मदद के लिए मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किया गया है, जहां सिर्फ महिला पुलिस कर्मियों की तैनाती है, जो आप की समस्या सुनेंगी और गोपनीय तरीके से बिना आपका नाम सामने लाए समस्या का निदान करेंगी।

कार्यक्रम में मौजूद सीओ क्राइम आलोक सिंह ने छात्राओं को बताया कि बड़ा अपराध होने से पहले वो छोटी सी दस्तक देता है। आप सभी को उस दस्तक को समझ कर पहली दस्तक पर ही पुलिस को सूचित करना है। अगर कोई छेड़छाड़ करे, पीछा करे, तो बिना डरे वीमेन पावर लाइन नंबर 1090 पर फोन करें। साइबर अपराध होने पर 1930 पर सूचित करें।

सीओ ने छात्राओं को डिजिटल अरेस्ट की विभिन्न घटनाओं का उदाहरण देते हुए बचाव के तरीके भी बताए। साइबर थाने के निरीक्षक चंद्रहास ने छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान प्रधानाचार्य राम कुमार श्रीवास्तव, आपदा विशेषज्ञ अरुण मिश्रा व शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भिनगा में आयोजित हुई पुलिस की पाठशाला

एसपी को शिक्षक के रुप में पाकर छात्राओं ने लगाई सवालों की झड़ी

पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम के बाद एसपी से आटोग्राफ लेतीं छात्राएं। संवाद

एसपी बने शिक्षक तो छात्राओं ने लगाई सवालों की झड़ी

सवाल - कक्षा 11 की छात्रा वैष्णवी शर्मा ने पूछा कि सुनसान रास्ते पर किसी के न रहने और डर लगने पर क्या करना चाहिए।

जवाब- आप आपातकालीन नंबर 112 पर फोन करें, पुलिस वाहन आपको घर तक छोड़ कर आएगा। साथ ही सभी को फीडबैक फॉर्म दिया जाएगा, जिसमें आप संबंधित क्षेत्र का नाम लिख कर दें, वहां पुलिस तैनात की जाएगी।

सवाल- कक्षा 11 की छात्रा प्रतिभा पांडेय ने पूछा कि सुनसान रास्ते पर हादसे में किसी के घायल होने पर पुलिस मदद करने वाले को परेशान करती है, इसमें कितनी सच्चाई है।

जवाब- ऐसा बिल्कुल नहीं होता है। सरकार मदद करने वाले को प्रोत्साहन के रूप में आर्थिक मदद राशि देती है।

सवाल- कक्षा नौ की छात्रा अनन्या व कक्षा 11 की छात्रा तस्मीया ने पूछा कि सफर के दौरान ऑटो चालक या सहयात्री द्वारा गलत बरताव किए जाने पर क्या करना चाहिए।

जवाब- तत्काल 1090 पर फोन करें या फिर स्थानीय थाने की मिशन शक्ति टीम को सूचना दें। तत्काल बिना आपका नाम प्रकाश में लाए संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी।

सवाल- कक्षा 11 की छात्रा श्रेया शुक्ला व कक्षा सात की छात्रा इसिका कसौधन ने फोन करके परेशान करने व व्यक्तिगत जानकारी के माध्यम से किसी द्वारा ब्लैकमेल करने पर मदद संबंधी सवाल किया।

जवाब- आप तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर फोन करें, तत्काल आपके थाने पर सूचना पहुंचेगी। पुलिस संबंधित को तलाशकर सबक सिखाएगी। हेल्पलाइन नंबर 1090 पर भी मदद ली जा सकती है।